THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

MA(Hindi) IV SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**हिंदी साहित्य : आलोचना** **HINDI LITERATURE : CRITICISM**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAH 4 10
Semester	IV
Number of credits	03
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday & Tuesday / 11.00 to 1.00 pm Friday / 11.00 to 1.00 pm Tuesday and Friday/ 2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	**Include the following in the course description :** a) आलोचना के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, साहित्य के मूल्यांकन, उसकी व्याख्या, प्रकार, न□वाद और - प्रतिमान□ साहित्यिक अस्मितामूलक विमर्शों को दिशा देने में आलोचना की महत्वपूर्ण भूमिका ले परिचित कराना। **b) उद्देश्य :** ● भाषा □ साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना। ● साहित्य के आस्वादन □ समीक्षा की क्षमता का विकास करना। ● प्रमुख आलोचकों की अवधारणाओं और प्रतिमानों से परिचित कराना। ● आलोचना के अर्थ को स्पष्ट करते हु□उनके आलोचनात्मक विवेक को धार प्रदान करना। ● किसी रचना के अर्थ के विस्तार, उसके सृजन के कारणों, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की पड़ताल कराना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि को समझ पा□गे। ● हिंदी के प्रमुख आलोचकों और उनकी आलोचना दृष्टियों को समझ पा□गे। ● हिंदी आलोचना की प्रकृति, प्रवृत्ति □ विकासक्रम से परिचित हो पा□गे। ● साहित्यिक कृतियों का मूल्यांकनकर पा□गे विश्लेषण-। **इकाई-1** ● हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, शुक्लपूर्व युग की आलोचनाबालकृष्ण भट्ट-, बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्यामसुंदर दास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और शुक्ल युग की आलोचन

	इकाई-2 • शुक्लोत्तर आलोचना आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -, नंददुलारे वाजपेयी, □नगेंद्र ., जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' **इकाई-3** • प्रगतिशील आलोचना शिवदान सिंह चौहान -, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोंध, नामवर सिंह **d) इकाई-4** • आधुनिकतावादी आलोचना अज्ञेय -, विजयदेवनारायण साही, धर्मवीर भारती, रामस्वरूप चतुर्वेदी
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि • शुक्लोत्तर आलोचना • प्रगतिशील आलोचना • आधुनिकतावादी आलोचना
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : • परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा • नई कविता और अस्तित्ववाद : शर्मा रामविलास • आस्था और सौंदर्य : रामविलास शर्मा Additional reading : • दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह • □तिहास और आलोचना : नामवर सिंह • हिन्दी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल • हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी • हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जस□ • साहित्य और □तिहास दृष्टि : मस□जर पाण□ • आलोचना की सामाजिकता : मस□जर पाण□ • अनभ□□ांचा : मस□जर पाण□ • हिन्दी साहित्य का □तिहास : रामचन्द्र शुक्ल • जायसी ग्रंथावली की भूमिका : रामचन्द्र शुक्ल • चिंतामणि1,2,3 भाग- : रामचन्द्र शुक्ल • त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल • हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिन्दी साहित्यउद्भव और विकास- : हजारीप्रसाद द्विवेदी • अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्विवेदी

	• साहित्य सहचर	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी
	• वाद विवाद संवाद	:	हंनामवर सि
	• छायावाद	:	नामवर सिहं
	• आलोचना का अर्थ अर्थ की आलोचना -	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
	• हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
	• हिन्दी आलोचना	:	रेवती रमण
	• हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	:	नंददुलारे वाजपेयी
	• नया साहित्य: नये प्रश्न	:	नंददुलारे वाजपेयी
	• मुक्तिबोध रचनावली 5 भाग -	:	नेमिचंद जम□
	• मलयज	:	रामचन्द्र शुक्ल
	• रस्साकशी	:	वीर भारततलवार
	• दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र	:	ओमप्रकाश वाल्मीकि
	• बालकृष्ण भट्ट और आधुनिक हिन्दी आलोचना का आरंभ	:	अभिषेक रौशन
	• साहित्यकार की आस्था और अन्य निबंध	:	महादेवी वर्मा
	• हिन्दी आलोचना	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
	• हिन्दी आलोचनाका विकास	:	नंदकिशोर नवल

MA(Hindi) IV SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**प्रयोजनमूलक हिंदी** **FUNCTIONAL HINDI**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAH 4 20
Semester	IV
Number of credits	03
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday and Thursday / 9.00 am to 11.00 am Wednesday and Friday / 2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description :** a) साहित्यिक हिंदी से □तर प्रयोजनमूलक हिंदी अथवा कामकाज की हिंदी के विविध स्वरूपों की जानकारी तथा रोजगार परक संवध□निक महत्ता को बताना ह□ b) **उद्देश्य :** ● भाषा □ साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना। ● हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की दक्षता का विकास करना। ● काम काज □ कार्यालयी हिंदी की भाषा के परिचय के साथ हिंदी कम्प्यूटिंग, मीडि□ा लेखन, अनुवाद विज्ञान के सिद्धांतों □ प्रयोगों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना। ● हिंदी भाषा के विविध प्रयोजनों और आयामों से परिचित करवाना। ● राजभाषा हिंदी में कामकाज करने की दक्षता विकसित करना। ● साहित्यिक हिंदी के अतिरिक्त रोजगारपरक हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना। **c)&d) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र को समझ सकेंगे। ● राजभाषा हिंदी की संवध□निक स्थिति से परिचित होंगे। ● हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की रोजगारपरकता के प्रति सजग होंगे। ● कार्यालयीन संप्रेषण में भाषा और प्रारूपण को समझ पा□गे। ● आधुनिक जनसंचार माध्यम, ईलेखन-, अनुवाद आदि से परिचित होंगे। ● सरकारीगर□ सरकारी रोजगार/ उपलब्धता से परिचित होगें। **d) पाठ्य विषय -:** ■ प्रयोजनमूलक भाषा - अर्थ, परिभाषा □ स्वरूप ■ हिन्दी भाषा की प्रयोजनमूलकता - विश्लेषण ■ प्रयोजनमूलक हिन्दी - तात्पर्य, आवश्यकता □ महत्व

	▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता ▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी के अनुप्रयोग के विभिन्न क्षेत्र - वार्तालाप, प्रशासन, जनसंचार,व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, प्रौद्योगिकी, विज्ञापन - सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्र ▪ राजभाषाके रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी का प्रयोग ▪ संविधान में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की स्थिति ▪ हिंदी – राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा ▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोग में पारिभाषिक शब्दावली का महत्व ▪ पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ एवं परिभाषा ▪ हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली - निर्माण की विधियाँ ▪ कार्यालयी हिंदी – ज्ञापन, कार्यालयआदेश, अर्द्ध-सरकारी पत्र, सूचना, परिपत्र, अधिसूचना, निविदा, संकल्प प्रयोजन मूलक हिन्दी और अनुवाद हिन्दी में प्रशासनिक और वैज्ञानिक शब्दावली
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ▪ हिन्दी भाषा की प्रयोजनमूलकता - विश्लेषण ▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी - तात्पर्य, आवश्यकता एवं महत्व ▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता ▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी के अनुप्रयोग के विभिन्न क्षेत्र - वार्तालाप, प्रशासन, जनसंचार,व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, प्रौद्योगिकी, विज्ञापन - सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्र ▪ संविधान में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की स्थिति ▪ हिंदी – राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा ▪ प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोग में पारिभाषिक शब्दावली का महत्व
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : कृष्णकुमार गोस्वामी 2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे 3. प्रयोजनमूलक हिन्दी संरचना और अनुप्रयोग : रामप्रकाश एवं दिनेश गुप्ता 4. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे 5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया Additional reading : 1. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया 2. भाषा और प्रौद्योगिकी : विनोद प्रसाद

	3. हिन्दी की प्रकृति □ शुद्ध प्रयोग	:	ब्रजमोहन
	4. अजीविका साधक हिन्दी	:	पूरनचंद टं□न
	5. व्यावहारिक हिन्दी	:	भोलानाथ / रवींद्रनाथ श्रीवास्तव तिवारी
	6. प्रयोजनमूलक हिन्दी	:	केन्द्रीयहिन्दी संस्थान
	7. प्रयोजनमूलक हिन्दी □ अनुवाद	:	तेजस्वी कट्टिमणि
	8. प्रयोजनमूलक हिन्दी के समस्या□	:	दिलीप सिंह

MA(Hindi) IV SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**भारतीय साहित्य इतिहास - एवं संस्कृति और शोध प्रविधि** **INDIAN LITERATURE : HISTORY AND CULTURE & RESEARCH METHODOLOGY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAH 4 30
Semester	IV
Number of credits	3
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday and Tuesday / 9.00 am to 11.00 am Friday / 9.00 am to 11.00 am Wednesday and Thursday / 2.00 to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Rekha Rani and Prof. Shyamrao Rathod
Course description	**Include the following in the course description :** a) भारतीय साहित्य के अध्ययन से समन्वित सांस्कृतिक रूप में भारतीयता क्षेत्र का निर्माण □वं □कता की भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय विचारों और भावनाओं का समुचित ज्ञान प्राप्त होगा। अनुसंधान द्वारा किसी सद्धांतिक वा व्यवहारिक समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता ह□ अनुसंधान द्वारा किसी न□तथ्य सिद्धांत, विधि या वस्तु की खोज की जाती ह□और नई जानकारी की प्राप्ति होती ह□ **b) उद्देश्य :** ● भाषा □वं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना। ● शोध कार्य करने के विशेष नियम अथवा विधि की प्रक्रिया का ज्ञान करवाना। ● शोध प्रविधि द्वारा नई जानकारी को उजगार कराना ह□ ● शोध कार्य के लि□प्रोत्साहित करना। ● शोध रूचि विकसित करना और उसके महत्व से परिचित कराना ● भाषा □वं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना। ● भारतीय साहित्य के वृहद्ध ज्ञान □वं उस के महत्व से परिचित कराना। ● भारतीय साहित्य के मनोभावों के प्रति बौद्धिक □वं तार्किक दृष्टि पद्ध□कराना। ● भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना। ● चयनित रचनाओं के अध्ययन द्वारा भारत के सामाजिकसांस्कृतिक जीवन को समझना-। ● साहित्य के माध्यम से भारतीयता का निर्माण करना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● किसी विषय की बेहत्तर समझ और विश्लेषण के लि□□ा या साक्ष्य के संग्रह में उपयोग की

जाने वाली रणनीतियों, प्रक्रियाएँ या तकनीकें से अवगत कराना।

- शोध के उद्देश्य और महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- शोध की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित हो कर श्रेष्ठ शोध कर बन सकेंगे।
- प्रायोजित शोधकर्ता के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय साहित्य की अवधारणा और उसके अध्ययन की समस्याओं को रेकांकित कर पाएंगे।
- भारतीय साहित्य की श्रेष्ठ विधाओं का अस्वादन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- साहित्य के माध्यम से भारत की भावात्मक एवं सांस्कृतिक एकता को समझ सकेंगे।
- भारतीय भाषाओं एवं साहित्य में अनुवाद के महत्व को समझ सकेंगे।
- भारतीय साहित्यकार की श्रेष्ठ रचनाओं के आधार पर भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का के परिचय के साथ साथ-भारतीय भाषा और साहित्य के परस्पर तुलनात्मक अध्ययन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

d) **इकाई :**

- भारतीय साहित्य की मूलभूत अवधारणा : भारतीय साहित्य का स्वरूप–अनेकता में एकता,
- समैक्यता वादी, समन्वय वादी; भारतीय साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ– सामाजिक,
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक; भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता; एकता के तत्व;
- वैविध्य के बिंदु; भारतीय साहित्य विकास
- भारतीय साहित्य और भारतीय भाषाएँ–अंतर्संबंध और अंतर संघर्ष; भारतीय भाषाओं में रचित प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिककालीन साहित्य; भारतीय भाषाओं में रचित विविध विधाओं का साहित्य; पद्य - महाकाव्य, काव्य, नाटक; गद्य – कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक, आलोचना
- भारतीय साहित्य में इतिहास एवं संस्कृति बोध; विभिन्न भाषाओं में रचित ग्रंथों में वर्णित ऐतिहासिक और राजनैतिक घटनाओं में साम्य और वैषम्य भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय जीवन-मूल्यों का अनुशीलन

❖ **उपन्यास**

- छःबीघा जमीन : फकीर मोहन सेनापति (उड़िया)
- लालपसीना : अभिमन्यु अनत (अप्रवासी)
- मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम्)
- संस्कार : यु आर अंनतमूर्ति

❖ **कहानी**

	▪ मुआवजा : पी. पदमराजु, भीमसेन निर्मल (तेलुगु) ▪ गाँव का कुआँ : कोलकरी नाग (तेलुगु) ❖ **कविता** ▪ स्वतन्त्रता का पल्लु : सुब्रह्मण्य भारती (तमिल(❖ **नाटक** ▪ घासीराम कोतवाल : विजयतेंदुलकर (मराठी) **d) इकाई-1** ● शोध अर्थ, परिभाषा और स्वरूप। ● शोध और आलोचना - अन्तर्सबंध। साम्य और वैषम्य। ● शुद्ध शोध और व्यावहारिक शोध/अनुप्रयोगिक शोध। **इकाई-2** ● शोध के प्रकार वैज्ञानिक, साहित्यिक, साहित्येतर शोध। साम्य और वैषम्य। ● शोध के मूल तत्व। शोध के सोपान। विभिन्न विद्वानों के मत। **इकाई-3** ● साहित्यिक शोध के प्रकार एवं व्याख्या। ● शोध की प्रक्रिया विषय निर्वाचन, समस्या का अनुकथन, विषय के स्रोत। विषय चयन निर्देशक की भूमिका
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● भारतीय साहित्य की मूलभूत अवधारणा : भारतीय साहित्य का स्वरूप–अनेकता में एकता ● ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक; भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता; एकता के तत्व ● भारतीय साहित्य में इतिहास एवं संस्कृति बोध; विभिन्न भाषाओं में रचित ग्रंथों में वर्णित ऐतिहासिक और राजनैतिक घटनाओं में साम्य और वैषम्य भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय जीवन-मूल्यों का अनुशीलन ● साहित्यिक अनुसंधान के आयाम 1. रवींद्र कुमार जैन
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : 1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : नगेन्द्र 2. बंगला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन 3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय 4. भारतीय साहित्य की समस्या : रामविलास शर्मा 5. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : सय्यद एहतेशाम

Additional reading :

6. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह दिनकर

7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का □तिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

8. साहित्य और संस्कृति : अमृतलाल नागर

9. भारतीय संस्कृति के स्वर : महादेवी वर्मा

10. History of Indian Literature : Sisir Kumar Das

11. Indian Culture and Heritage : S. Radhakrishanan

12. □□यन लिटरेचर सिंस □□□□स : संआर साहित्य .□स .के . अकादमी, दिल्ली

13. कंपरे□टिव लिटरेचर : □ नगेंद्र , दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

14. भारतीय साहित्य : भोला शंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी

15. आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथना खेड़े, राजकमल, दिल्ली

16. भारतीय साहित्य के □तिहास की समस्या□ : रामविलास शर्मा .□

17. लोक साहित्य विज्ञान : सत्येंद्र शिव लाल □□कंपनी, आगरा

18. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन ,□लाहाबाद।

19. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम : शांति चयन

20. लोक साहित्य का अध्ययन : तृरिलोचन पां□, लोकभारती, □लाहाबाद।

21. भारतीय साहित्य का समेकित □तिहास : □ .नगेंद्र

22. भारतीय साहित्य : भोला शंकरव्यास

23. भारतीय साहित्य की समस्या : राम विलास शर्मा

संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर

अनुसंधान □. संत्येंद्र, नंदकिशोर □□ब्रदर्स

अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया □स. □न. गणेशन

MA(Hindi) IV SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : जनसंचार माध्यम और परियोजना कार्य** **PRINT AND ELECTRONIC MEDIA IN MASS COMMUNICATION AND DISSERTATION**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAH 4 40
Semester	IV
Number of credits	6
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday and Thursday / 11.00 am to 1.00 pm (Dissertation) Monday/ 2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila
Course description	**Include the following in the course description :** a) वर्तमान समय में प्रिंट और □लेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यमों की शक्ति की पहचान के लि□ इसके तकनीकी और व्यवहारिक पक्ष का बोध कराना ह□ b) **उद्देश्य :** ● भाषा □वं साहित्य के शिक्षक की योग्यत को विकसित करना। ● जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की समझ को विकसित करना। ● जनसंचार माध्यमों के विकास की गति, दिशा, सामाजिक प्रभावों और उसमें पत्रकारिता के स्वरूप को रेखांकित करना। ● पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना। ● पत्रकारिता और मीि□या लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना। ● पत्रपत्रिकाओं हेतु सामग्री निर्माण-, प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा □वं संपादन कौशल विकसित करना। **c)&d) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● पत्रकारिता के स्वरूप, महत्व, उसके प्रकार और आचार संहिता को समझ सकेंगे। ● हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित होंगे। ● हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता, प्रमुख पत्रिकाओं और लघु पत्रिका आन्दोलन से परिचत हो सकेंगे। ● पत्रकारिता संबंधी लेखन, संकलन, प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा □वं संपादन कौशल सीख सकेंगे। ● हिंदी पत्रकारिता □वं जनसंचार माध्यमों में लेखन, भाषायी विशिष्टता की पहचान करते हु□ इनसे जुड़े विभिन्न कानूनों और आचार संहिता की जानकारी देकर प्रिंट और □लेक्ट्रॉनिक मीि□या- विवेक से संपन्न बनाना ह□ **d) इकाई :** प्रिंट □वं □लेक्ट्रानिक मीि□या जनसंचार माध्यम

2. जनसंचार माध्यम अवधारणा व स्वरूप

3. सामाजिक विकास में जनसंचार माध्यमों की भूमिका

(क) परम्परागत जनसंचार माध्यम

(ख) आधुनिक जनसंचार माध्यम

4. पत्रकारिता प्रमुख प्रिंट मीडिया परिभाषा व प्रकार

5. समाचार पत्र के विभिन्न विभागों का संगठनात्मक ढांचा, प्रशासनिक विभाग, संपादकीय विभाग (संवाददाता की अहर्ता और दायित्व), मुद्रण विभाग, वितरण विभाग, विज्ञापन विभाग का विस्तृत अध्ययन

6. प्रिंट मीडिया की आचार संहिता, प्रमुख प्रेस कानून व संहिता

7. इलेक्ट्रानिक मीडिया परिभाषा व प्रकार

8. इलेक्ट्रानिक संचार के सिद्धान्त

9. रेडियो का संगठनात्मक ढांचा, विभिन्न कार्यक्रमों का लेखन, निर्माण, प्रसारण की प्रविधि।

10. टेलीविजन का संगठनात्मक ढांचा, विभिन्न कार्यक्रमों का लेखन, निर्माण, प्रस्तुतिकरण की प्रविधि।

11. **फिल्म नेटवर्क**

1 इंटरनेट मीडिया

2 जनसंचार माध्यमों में विज्ञापनों का स्वरूप व भाषा

3 इलेक्ट्रानिक मीडिया की आचार संहिता

परियोजना कार्य

DISSERTATION

a) परियोजना कार्य, शोध प्रविधि और प्रक्रिया की एक विधि के रूप में छात्र अपनी रूचि, अनुभव और प्रयोग के माध्यम से श्रेष्ठ शोध करने के गुणों को सीखने के सिद्धांतों को विकसित करता है

b) उद्देश्य :

- परियोजना कार्य छात्रों को कक्षा की सीमाओं से परे चिंतन करने में अभ्यास्त करता है
- उनके छात्र बीच विभिन्न कौशल, व्यवहार, जिज्ञासु और आत्मविश्वास विकसित करने की अनुमति देता है।
- अधिगम के लिए माहौल प्रदान करना जो छात्रों को प्रश्न, विश्लेषण और मूल्यांकन करने की अनुमति देता है।

c)&d) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :

- परियोजना कार्य से छात्रों को उच्च क्रम चिंतन की ओर लेकर जायेगा।
- परियोजना कार्य छात्रों की संज्ञानात्मक क्षमताओ को बढ़ायेगा।
- परियोजना कार्य के पीछे मुख्य विचार यह बताता है कि छात्र से स्वयं करे और व्यवहारिक समाधान को प्रोत्साहित हो।

Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता, प्रमुख पत्रिकाओं और लघु पत्रिका आन्दोलन से परिचत हो सकेंगे। • पत्रकारिता संबंधी लेखन, संकलन, प्रूफ शोध, पृष्ठ सज्जा □ संपादन कौशल सीख सकेंगे। • हिंदी पत्रकारिता □ जनसंचार माध्यमों में लेखन, भाषायी विशिष्टता की पहचान करते हु□ □से जुड़े विभिन्न कानूनों और आचार संहिता की जानकारी देकर प्रिंट और □लेक्ट्रॉनिक मीडि□ा- विवेक से संपन्न बनाना ह।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : 1. हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र 2. हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक □तिहास : रमेश कुमार जस□ 3. जनसंचार □ पत्रकारिता : रमेश कुमार जस□ 4. हिंदी पत्रकारिता : वेदप्रताप व□दिक Additional reading : 5. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग - : विष्णु राजगढ़िया 6. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा : जगदीश्वर चतुर्वेदी 7. जनसंपर्क प्रबंधन : कुमुद शर्मा 8. संचार से जनसंचार : रूपचंद गौतम 9. पत्रकारिता □ संपादन कला : पंत .सी .□ 10. Understanding Media : Marshal McLuhan 11. Communications : Raymond Williams